2. Pollution created by Industrial units in GIDC, Distt Valsad.
3. Checking pollution from Gujarat State Fertilizser Corporation.
4. Problem of air pollution around ONGC Colony, Ankleshwar.
5. Pollution caused by M/s. Panchmahhal Steel & M/s. Jalan Steels Ltd. at Kalol.
6. Pollution Prevention for Ajwa lake from the Industries.
7. Pollution problems at Kadapani area by GMDC.
8. Pollution caused by Saurashtra Chemical Factory.
9. Contamination of river water by chemical and paper Mill near Valsad.
10. Pollution of river Daman Ganga by Industrial Estates like Atul Sarigam and Vapi.
11. Ground Water pollution due to chemicals at Village Chowli, Junagarh.
12. Pollution by M/s. Mardia Chemicals, Surendranagar.
13. Disposal of Chromium bearing waste by M/s. KRIBHCO at Hazira.

वानिकी के संबंध में ब्रिटेन से समझौता

6596. **श्री अजीत जोगी:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने हाल ही में वानिकी के संबंध में ब्रिटेन के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार उक्त समझौते को कार्यान्वित करने हेतु क्या कदम उठाने का विचार रखती है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ): (क) जी, हां।

(ख) भारत और ब्रिटेन ने संरक्षण, प्रबन्धन और वनों के टिकाऊ विकास में अन्तर्राष्ट्रीय समझ और प्रगति को बढ़ावा देने के लिए सहयोग संबंधी एक समझौता-ज्ञापन पर 13 सितम्बर, 1993 को हस्ताक्षर किए थे। समझौता-ज्ञापन में जून, 1992 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण और विकास सम्मेलन में अपनाए गए वन सिद्धान्तों के महत्व तथा सितम्बर, 1993 में नई दिल्ली में आयोजित विकासशील देशों के वानिकी मंच के प्रथम मंत्रिस्तरीय सम्मेलन द्वारा जारी वनों से संबंधित दिल्ली घोषणा में विकासशील देशों द्वारा व्यक्त वन सिद्धान्तों के प्रति वचनबद्धता को ध्यान में रखा गया है। समझौता-ज्ञापन में आगे कहा गया है कि सतत् विकास आयोग द्वारा 1995 में वानिकी मुद्दों की समीक्षा के लिए भारत और ब्रिटेन मिलकर एक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित करेंगे और दोनों देश राष्ट्रीय वानिकी कार्यक्रमों के विकास में अनुभवों का आदान-प्रदान करेंगे, संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन की भूमिका को सुदृढ़ करेंगे, वित्तीय सहायता के प्रभावी वितरण के लिए साथ-साथ काम करेंगे और मिलजुल कर अनुसंधान, आदि करेंगे।

(ग) "टिकाऊ वानिकी सी एस डी, 1995 के लिए तैयारी की दिशा में" नामक शीर्षक से नई दिल्ली में 25 से 27 जुलाई, 1994 को एक संयुक्त कार्यशाला आयोजित की जायेगी। कार्यशाला में न केवल 1995 की समीक्षा के लिए तैयारी करने पर चर्चा की जायेगी बल्कि वन सिद्धान्तों के कार्यान्वयन पर भी चर्चा की जायेगी। इसमें भिन्न-भिन्न वन स्थितियों वाले लगभग 50 वन देशों के भाग लेने की आशा है।

Problems of Solid and Liquid waste in Metropolitan Cities

6597. SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:
SHRI RAJNI RANJAN SAHU:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether a subgroup on urban municipal waste management has lately prepared study-report about the problems of solid and liquid waste in metropolitan cities in the country; and

(b) if so, what are their precise findings and the details of the action plan, if any prepared to effectively tackle the problem?